अनुक्रमांक .... मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम..

901

801 (HA)

2024

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 70*

निर्देश :

(i) *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों – खण्ड **अ** तथा खण्ड **ब** में विभाजित है ।*

(iv) *इस प्रश्न-पत्र के खण्ड **अ** में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिसमें दिए गए चार विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करके ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर नीले अथवा काले बॉल प्वॉइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को अच्छी तरह रंगकर देना है ।*

(v) ***खण्ड अ** के बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है । बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु नकारात्मक अंकन की व्यवस्था नहीं है । अतः सभी प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास कीजिए ।*

(vi) *ओ.एम.आर. शीट पर उत्तर देने के पश्चात् संबंधित गोले को काटें नहीं तथा इरेजर एवं ह्वाइटनर का प्रयोग न करें ।*

(vii) *प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिए गए हैं ।*

(viii) *खण्ड **ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । इसके लिए कुल 50 अंक निर्धारित हैं ।*

(ix) *खण्ड **ब** के प्रश्नों के उत्तर यथासंभव क्रमानुसार लिखने का प्रयास कीजिए । जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट मत कीजिए ।*

खण्ड अ

(फहुविकल्ऩीम प्रश्न)

1. शुकुर मुगु के रेखक नह ोहैं।

(A) जमशकों य प्रसाद

(B) प्रेभचदों

(C) याभचद्रों शुकुर

(D) बायतेंदु ुहरयश्चद्रों

2. 'नूसू की यात' कहानी के रेखक हैं।

(A) जमशकों य प्रसाद

(B) प्रेभचदों

(C) सुदुशनश

(D) मशऩार

3. 'ससदोंयू की होर ' के नाटककाय हैं :

(A) जमशकों य प्रसाद

(B) याभकुभाय ि भा श

(C) रक्ष्भीनायामण सभश्र

(D) हरयकृष्ण 'प्रेभी'

4. 'रूस भें ऩच्चीस भास' मात्रिृतूत के रेखक ह ैं

(A) डॉ. नगेंद्र

(B) प्रबाकय भाचि े

(C) याभिृं फेनीऩुयु

(D) याहुर साकृों त्मामन

5. 'भाट हो गमी सोना' ससंोभयण के रेखक हैं।

(A) कन्हैमारार सभश्र 'प्रबाकय'

(B) दिेन्द्र सत्माथी

(C) भाखोंनरार चतिुेद

(D) याभिृं फेनीऩुयु

6. य ततकार को ‘अरकृो   त कार' ककस विद्ानि ने कहा है ?

(A) विश्निाथ प्रसाद सभश्र ने ◌े

(B) सभश्रफधुोओंुा ने

(C) याभचद्रो शुकुर ने

(D) जॉज शग्रिमसनश ने ◌े

7. तनम्नसरखखत भें से कौन-सी कृतत य ततकार न कवि दिे की नह ◌ोहै ?

(A) कविवप्रमा

(B) बिा विरास

(C) बिानी विरास

(D) यस विरास

8. 'बायतेंदु ◌ुमुगु' की विशेषेता (प्रिवृत्त) नह ◌ोहै :

(A) याष्र मता की बिाना

(B) साभाजजक चेतेना का विकास

(C) अ◌िौजी सशा का वियोध

(D) काव्मबाषा के रूऩ भें खडी फोर का प्रमोग

9. 1943 ई. भें प्रकासशत 'तायसप्तक' का सऩोादन ककसने ककमा ?

(A) याभविरास शभा श

(B) सजच्चदानदो ह यानदो ◌ात्स्मामन 'अ◌ोम'

(C) प्रबाकय भाचिे ◌े

(D) ग्रगरयजा कुभाय भाथुयु

10. 'याभ की शजक्तऩूजा' ककसकी यचना है ?

(A) सूमूकशातो त्रत्रऩाठी 'तनयारा'

(B) जमशकों य प्रसाद

(C) याभनयेश त्रत्रऩाठी (D) भहािर्दी ि भा श

11. "हाथी जैसी देह है, गैंडे े जैसी खार।

तयफूज़े-सी खोऩडी, खयफूज़े से गार।। "

उऩमुक्शत ऩजॊक्तमों भें कौन-सा यस है ? (A)

ीयि यस (B) करुण यस

(C) श्रृगॊाय

(D) हास्म यस

12. "उस कार भाये क्रोध के, तन काऩॉने उनका रगा।

भानो हिा के ि ेग से, सोता हुआ सागय जगा।। "

उऩमुक्शत येखाकॊकत ऩजॊक्त भें कौन-सा अरकॊाय है ?

(A) उऩभा अरकॊ ाय

(B) रूऩक अरकॊ ाय

(C) उत्प्रेा अरकॊाय

(D) श्रेष अरकॊ ाय

13. "जो सुसुभयत ससग्रध होइ, गननामक करयफय फदन।

कयउ अनुिह सोइ, फुद्धग्रध यासस सुबु गुन सदन।।"

उऩमुक्शत ऩजॊक्तमों भें प्रमुकु्त छॊद है :

(A) सोयठा

(B) दोहा

(C) योरा

(D) कुण्डसरमा

14. तनम्नसरखखत भें से ककस शब्द भें 'अनु' ु उऩसग शका प्रमोग **नह** ींहुआ है ?

(A) अनुकुयण

(B) अनुशुासन

(C) अनुतुतीण श

(D) अनिुाद

15. 'नीरकण्ठ' सभस्तऩद भें प्रमुकुत सभास है :

(A) द्दिंद्दि

(B) फहुव्रीहह

(C) द्विगु ु

(D) अव्ममीबाि

16. 'फादर' का ऩमामशिाची शब्द नह ोंहै :

(A) नीयद

(B) अोफुदु

(C) जरद

(D) जरज

17. 'मुषुभद्' (तुभ) सिनशाभ शब्द का तृतीमा एकिचन रूऩ है :

(A) मिुाभ् ्

(B) त्मिा

(C) त्ित् ्

(D) तुम्मभ् ्

18. 'आॉधी आमी औय हभ घय बागने रगे।' यचना के आधाय ऩय इस िाक्म का प्रकाय है
:

(A) सयर िाक्म

(B) सभश्र िाक्म

(C) समोुकुत िाक्म

(D) इनभें से कोई नह ों

19. 'भहात्भा फुदु्ध ने विश् को शातोंत का सदेंश हदमा।' इस िाक्म का िाच्म ोफताइए :

(A) कतृशाच्म

(B) कभिशाच्म

(C) बिााच्म

(D) इनभें से कोई नह ों

20. 'िह अचानक चरा गमा।' िाक्म भें प्रमुकुत 'अचानक' ऩद का व्माकयखणक ऩरयचम है
:

(A) सोंा

(B) सिनशाभ

(C) कक्रमा-विशेषेण

(D) कक्रमा

खण्ड फ

(िणनशात्भक प्रश्न)

21. तनम्नसरखखत भें से ककसी एक गद्माशों ऩय आधारयत सबी प्रश्नों के उत्तय द जजए :

(क) कुसगों का ज्यि सफसे बमानक होता है। मह किेर नीतत औय सद्वृत्ति का ह नाश नह ोकयता, फजल्क फुदुग्रध का बी मं कयता है। ककसी मिु नुरुष की सगोंतत महद फुयु होगी, तो िह उसके नैयैं भें फॉधी चक्की के सभान होगी, जो उसे हदन-हदन अिनतत के गड्ढे भें ग्रगयाती जाएगी औय महद अच्छी होगी तो सहाया देने िार फाहु के सभान होगी, जो उसे तनयोंतय उन्नतत की ओय रे जाएगी।

(i) उऩमुक्शत गद्माशों का सदोंब शसरखखए।

(ii) गद्माशों के येखाकोंकत अोश की व्माख्मा कीजजए।

(iii) कुसगों की तुरना ककससे की गमी है ?

अथिा

(ख) ईष्मा शकी फडी फेट का नाभ तनदोा है। जो व्मजक्त ईष्मारुश ुहोता है, िह व्मजक्त फुयेु ककस्भ का तनदोक बी होता है। दूसूयों की तनदोा िह इससरए कयता है कक इस प्रकाय दूसूये रोग जनता अथिा सभत्रों की आॉखों से ग्रगय जाएॉगे औय तफ जो स्थान रयक्त होगा, उस ऩय अनामास भ ैंह फैठा हदमा जाऊॉगा।

(i) उऩमुक्शत गद्माशों का सदोंब शसरखखए।

(ii) गद्माशों के येखाकोंकत अोश की व्माख्मा कीजजए।

(iii) ईष्मारुश ुव्मजक्त दूसूयों की तनदोा क्मों कयता है ?

22. तनम्नसरखखत भें से ककसी **एक** ऩद्माशों ऩय आधारयत सबी प्रश्नों के उत्तय द जजए :

(क) ऊधौ जाहु तुभहह ोहभ जाने।

स्माभ तुभहह ोहमा ॉकौ नहह ोऩठमौ, तुभ हौ फीच बुराने।।

ब्रज नारयतन सौं जोग कहत हौं, फात कहत न रजाने।

फडे ेरोग न िििेक तुम्हाये, ऐसे बए अमाने।।

हभसौं कह रई हभ सहह कै, जजम गुतन रेहु समाने।

कहॉ अफरा कहॉ दसा हदगोंफय, भष्ट कयौ ऩहहचाने।।

साचॉ कहौ तुभकौ अऩनी सौं, फूझूतत फात तनदाने।

सूयू स्माभ जफ तुभहह ऩठामौ, तफ नैकैहुॉ भुसुकाने।।

(i) उऩमुक्शत ऩद्माशों का सदोंब शसरखखए।

(ii) ऩद्माशों के येखाकोंकत अ ंश की व्माख्मा कीजजए।

(iii) 'ब्रज नारयतन सौं जोग कहत हौं, फात कहत न रजाने।' से क्मा तात्ऩम शहै ? स्ऩष्ट कीजजए।

अथिा

(ख) चाह नह ,ों भ ैंसुयुफारा के गहनों भें गूॉथा जाऊॉ,

चाह नह ोंप्रेभी-भारा भें त्रफधों प्माय को ररचाऊॉ,

चाह नह ोंसम्राटों के शि ऩय हे हरय डारा जाऊॉ,

चाह नह ोंदेिों के ससय ऩय चढूॉ बाग्म ऩय इठराऊॉ,

भुझे ेतोड रेना फनभार ,

उस ऩथ भें देना तुभ पेंक |

भातृ–बूसूभ ऩय शीश चढाने,

जजस ऩथ जािें िीय अनेक।

(i) उऩमुक्शत ऩद्माशों का सदोंब शसरखखए।

(ii) ऩद्माशों के येखाकोंकत अ ंश की व्माख्मा कीजजए।

(iii) ऩुष्ऩ िनभार के सभ अऩनी कौन-सी इच्छा (चाह) प्रकट कयता है ?

23. नीचे ेहदए गए ससोंकृत गद्माशों भें से ककसी **एक** का सदोंब-शसहहत हहन्द भें अनुिाद कीजजए :

(क) िायाणस्मा ोंप्राचीनकारादेि गेहे-गेहे विद्मामा: हदव्म ोंज्मोतत् द्मोतते। अधुनाऽवऩ अत्र ससोंकृतिाग्धाया सततों प्रिहतत, जनाना ोंानञ्च िद्धशमतत। अत्र अनेके आचामा्श भूधून्शमा् विद्िाोंस् िैहदकिाङ्भमस्म अध्ममने अध्माऩने च इदानी ोंतनयता्। न केिर ोंबायतीमा् अवऩतु िैदेसशका: गीिाणशिाण्मा् अध्ममनाम अत्र आगच्छजन्त तन्शुलुकों च विद्मा ों गृह्णजन्त।

अथिा

एकदा फहि् जना् धूभूमानभ् ्(येर) आरुहम नगयो प्रतत गच्छजन्त स्भ। तेषु ुकेग्रचत् ्ाभीणा् केग्रचच्च नागरयका् आसन््। भौन ोजस्थतेषु ुतेषु ुएक् नागरयक: िाभीणान् ्उन्नहसन् ्अकथमत् ्"िाभीणा : अद्मावन्न ििनूशत् ्असशक्षता: अाश्च सजन्त। न तेषा ोविकास् अबित् ्न च बवितुो शक्नोतत।" तस्म तादृश ोजल्नन ोश्रुतिु्ा कोऽवन्न चतुय: िाभीण: अब्रिीत् ्"बद्र नागरयक ! बिान् ्एि ककजञ्चत् ्ब्रिीतु मतो हह बिान् ्सशक्षत: फह्ुा् च अजस्त।" इदभ् ्आकण्म शस नागरयक: सदन्न शििीाभ् ्उन्नभय्म अकथमत्,् "कथतमष्मासभ, न्नयो न्निू श सभम: विधातव्म्। "

24. नीचे ेहदए गए ससोृकृत न्नद्माशो भें से ककसी एक का सदोब-शसहहत हहन्द भें अनिुाद कीजजए :

(क) साथ श: प्रिसतो सभत्र ोककोजस्नि् ्सभत्र ोगृहे सत्।

आतुयस्म च ककाे सभत्र ोककोजस्नि् ्सभत्र ोभरयष्मत्।।

अथिा

(ख) फन्धन ोभयणो िावन्न जमो िावन्न न्नयाजम्।

उबमत्र सभो िीय् िीय बिाो हह िीयता।।

25. अन्नने न्नहठत खण्डकाव्म के आधाय न्नय तनम्नसरखखत प्रश्नों भें से ककसी एक प्रश्न का उत्तय द जजए :

(i) 'भुजुक्तदूतू' खण्डकाव्म के आधाय न्नय भहात्भा गाधंीी का चरयत्र ग्रचत्रण कीजजए।

(ii) 'भुजुक्तदूतू' खण्डकाव्म के द्वितीम सग शका सायाशो सरखखए।

(ख (i) 'ज्मोतत जिाहय' खण्डकाव्म की कथिास्तु सौन्न भें सरखखए।

(ii) 'ज्मोतत जिाहय' खण्डकाव्म के आधाय न्नय जिाहयरार नेहरू का चरयत्र-ग्रचत्रण कीजजए।

(ग) (i) 'अिनूजा' खण्डकाव्म के आधाय न्नय श्रीकृष्ण का चरयत्र-ग्रचत्रण कीजजए।

(ii) 'अिनूजा' खण्डकाव्म के तृतीम सग शका सायाशो अनने शब्दों भें सरखखए।

(घ) (i) 'भिैाड भुकुट' खण्डकाव्म के द्वितीम सग श'रक्ष्भी' का सायाशॊ सरखखए।

(ii) 'भिैाड भुकुट' खण्डकाव्म के नामक का चरयत्र ग्रचत्रण कीजजए।

(ङ) (i) 'जम सुबुाष' खण्डकाव्म के आधाय ऩय उसके नामक का चरयत्र-ग्रचत्रण कीजजए।

(ii) 'जम सुबुाष' खण्डकाव्म के प्रथभ सग शकी कथािस्तु सरखखए।

(च) (i) 'कभिशीय बयत' खण्डकाव्म के आधाय ऩय कैकेमी का चरयत्र ग्रचत्रण कीजजए।

(ii) 'कभिशीय बयत' खण्डकाव्म के द्वितीम सग श'याजबिन' की कथािस्तु सरखखए।

(छ) (i) 'तुभुरु' खण्डकाव्म का सायाशॊ अऩने शब्दों भें सरखखए।

(ii) 'तुभुरु' खण्डकाव्म के आधाय ऩय भेघनाद का चरयत्र ग्रचत्रण कीजजए।

(ज) (i) 'भातृ–ृबूसूभ के सरए' खण्डकाव्म के नामक चन्द्रशेखेय आजाद का चरयत्र-ग्रचत्रण कीजजए।

(ii) 'भातृ–ृबूसूभ के सरए' खण्डकाव्म के तृतीम सग श(फसरदान) की कथािस्तु सींऺ भ ें

(झ) (i) 'कण'श खण्डकाव्म की कथािस्तु सींऺ भें सरखखए।

(ii) 'कण'श खण्डकाव्म के आधाय ऩय कण शका चरयत्र ग्रचत्रण कीजजए।

26. (क) हदए गए रेखकों भें से ककसी एक रेखक का जीिन-ऩरयचम देते हुए उनकी एक प्रभुखु यचनाका उल्रेख कीजजए :

(i) आचाम शयाभचद्रॊ शुकुर

(ii) डॉ. याजेन्द्र प्रसाद

(iii) ऩदुभुरार ऩुनुारार फख्शी

(iv) याभधाय ससहॊ 'हदनकय'

(ख) हदए गए कविमों भें से ककसी एक कवि का जीिन-ऩरयचम देते हुए उनकी एक प्रभुखु यचना का उल्रेख कीजजए:

(i) भहाकवि सूयूदास

(ii) त्रफहाय रार

(iii) भैगै्रथर शयण गुप्त

(iv) सुबुद्रा कुभाय चौहान

27. अऩनी ऩाठ्म-ऩुसुतक के ससॊकृत खण्ड से कण्ठस्थ एक श्रोक सरखखए जो इस प्रश्न-ऩत्र भें न आमा हो।

28. आऩके विद्मारम के ऩुसुतकारम भें हहन्द की ऩुसुतकों एिॊऩत्र-ऩत्रत्रकाओॊ का अबाि है। इन्हें भॉगाने का अनुयोध कयते ेहुए अऩने विद्मारम के प्रधानाचाम शको ऩत्र सरखखए।

अथिा

अखखर बायतीम िाद-वििाद प्रततमोग्रगता भें प्रथभ ऩुयुस्काय विजेता सभत्र को एक फधाई-ऩत्र सरखखए।

29. तनम्नसरखखत भें से ककन्ह ॊ**दो** प्रश्नों के उत्तय ससॊकृत भें द जजए :

(i) चन्द्रशेखेय् क् आसीत् ्?

(ii) िीयि: केन ऩूजूमते ?

(iii) िायाणसी नगय कस्मा् नद्मा: कूरे जस्थता ?

(iv) िान ॊकुत्र सम्बितत ?

30. तनम्नसरखखत भें से ककसी एक विषम ऩय तनफधॊ सरखखए:

(i) जर है तो कर है

(ii) भेये सऩनों का बायत

(iii) सडक सुयुा, जिीन-य ा

(iv) साप्रोदातमकता : एक असबशाऩ

(v) जिीन भें कम्प्मूटूय का भहत्त्ि